लेखिकाः गीता धर्मराजन
चित्रांँकनः अतनु राय

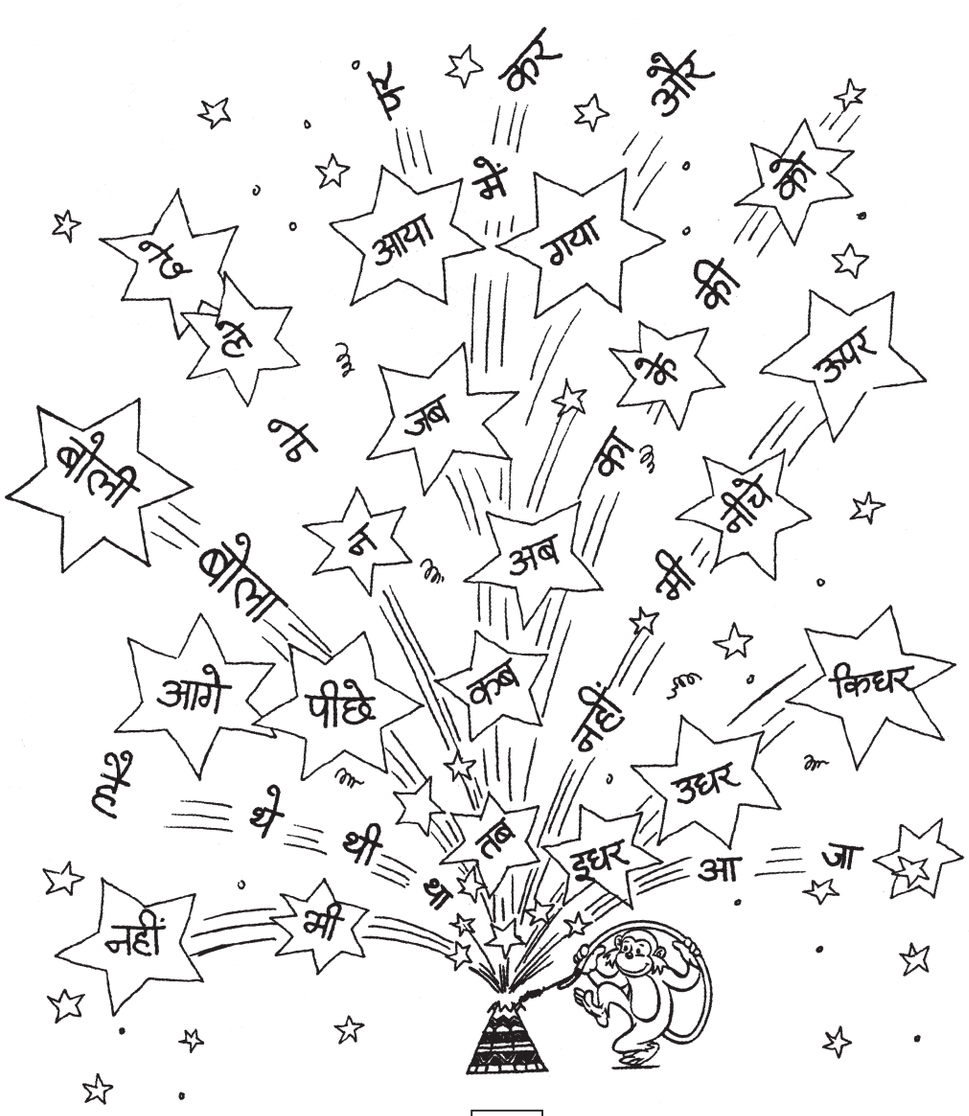

KATHA

पहला हिन्दी संस्करण 1992, दूसरा संस्करण 2009, तीसरा संस्करण 2009
चौथा संस्करण 2010, पाँचवाँ संस्करण 2011, छठवाँ संस्करण 2013
कृति स्वामित्व © कथा, 1992
लेखन कृति स्वामित्व © चारु आनन्द, 1992
मौलिक चित्राँकन कृति स्वामित्व © शुद्धसत्व बासु, 1992
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नई दिल्ली द्वारा मुद्रित
ISBN 978-81-85586-06-9

कथा एक पंजीकृत अलाभकारी संस्था है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा स्कूल दिल्ली के बस्ती, मोहल्लों और अरुणाचल प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित हैं।

ए–3 सर्वोदय एनक्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली–110017
दूरभाषः 4141 6600 . 4182 9998 . फैक्सः 2651 4373

ई–मेलः marketing@katha.org

वेबसाइटः www.katha.org

कथा नियमित रूप से पेड़ लगाती है उस लकड़ी के बदले, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज़ बनता है।
इस किताब की बिक्री से मिली राशि का 10% अल्पाधिकारी बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

एक मूंछ थी
राजा की थी
मूंछ कभी थी
कभी कहीं थी

राजा खाता था
सोता था
बस
खाता था
सोता था

एक दिन
राजा खो गया
न जाने राजा
किधर खो गया।

इधर खोजा
उधर खोजा
किधर-किधर
नहीं खोजा।

नहीं मिला राजा जब
बस मिला ओझा तब
ओझा आया
झोला लाया

गिली गिली गोला
ओझा मटक कर बोला
चांद पर है राजा
हो रहा तमाशा।

पढ़ता राजा
कूदे राजा
तारों के साथ
सोना राजा।
खाता राजा
खेले राजा
तारों के साथ
खुश है राजा।

तब ही
आ गई हवा
ले गई आधी
मूंछ को उड़ा।

आगे खोजा
पीछे खोजा
ऊपर खोजा
नीचे खोजा
नहीं मूंछ को
मिल रहा था राजा

गोलगप्पा
कूदा धुम
जा बना राजा
की दुम

रह गई बस
आधी ही मूंछ
जा बनी
गोलगप्पे की पूंछ

राजा तो अब
रो रहा है बस
नहीं नहीं नहीं
खो कर मूंछ
लगा कर पूंछ
घर न जाना
है कभी

पर,
राजा से बोला
गुबारा
रह गई तेरी
आधी मूंछ

मिली मिली गोली!

छोटा	सोता	पढ़ता
दिन	मटक	साथ
खुश	धुम	दुम
रो	पूरा	

क्या तुमने यह **हुलगुल कथा** पढ़ी ?
मेरे पास तुम्हारे लिए ये भी हैं :

1. ठहरो !
2. एक था मोटा राजा
3. आधा राजा आधा ओझा
4. उड़न छू ...

'मैं अपने आप पढ़ूँ-हुलगुल कथा' एन. एफ. ई. के लिए **कथा** टीम द्वारा तैयार की गई एक नवीन विचारधारा पर आधारित पाठ्य-सामग्री है।

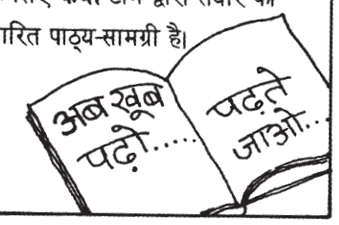

vxMe cxMe xkyexky

,u-,Q-bZ dk tknw eMky

^eSa viuk vki i<°& gyxy dFkk]* ,u-,Q-bZ- ds fy, gSA ;s etsnkj fdrkcsa dFkk }kjk rS;kj dh xbZ gSA gyxy dFkk esa 8&14 lky dh yM+fd;ksa vkSj yM+dksa dks vkdf"kZr djus ds fy, gkL; vkSj rqdcanh dk Hkjiwj rek'kk gSA dFkk jpukRed ys[ku dh ,d ifr dk r] vyHkkdkjh lLFkk gSA